(९२)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

ज्ञान शांति मैत्री

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग,भाषा विद्यापीठ

अध्ययन मंडल (BoS) की बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक: 25 मई 2021

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक दिनांक **25 मई 2021** को डॉ. एच. ए. हुनगुंद, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्षता में ऑनलाइन संपन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित/सम्मिलित हुए –

1. डॉ. एच. ए. हुनगुंद : अध्यक्ष
2. प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल : सदस्य
3. प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय : सदस्य (ऑनलाइन)
4. डॉ. अनिल कुमार दुबे : सदस्य (ऑनलाइन)
5. प्रो. अंबा कुलकर्णी (विषय-विशेषज्ञ) : सदस्य (ऑनलाइन)
6. प्रो. ठाकुर दास (विषय-विशेषज्ञ) : सदस्य (ऑनलाइन)
7. डॉ. धनजी प्रसाद : विशेष आमंत्रित (ऑनलाइन)
8. श्री आम्रपाल शेंदरे, सहायक प्रोफेसर : विशेष आमंत्रित (ऑनलाइन)
9. डॉ. विजया सिंह, सहायक प्रोफेसर : विशेष आमंत्रित (ऑनलाइन)

सुश्री अर्चना थूल (भूतपूर्व विद्यार्थी सदस्य) बैठक में सम्मिलित नहीं हो सकीं।

बैठक में लिए गए मदवार निष्कर्ष/निर्णय निम्नलिखित हैं-

मद संख्या 01: राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 के क्रियान्वयन हेतु अकादमिक कार्यक्रमों की पुनर्संरचना के लिए 'CBCS के अंतर्गत LOCF आधारित पाठ्यचर्या का पुनर्विन्यास।

विचार-विमर्श के निष्कर्ष:

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 के अंतर्गत कार्यक्रम संरचना के विविध प्रारूपों को अध्यक्ष की अनुमति से प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल द्वारा प्रस्तावित किया गया। सभी सदस्यों ने गहन विचार-विमर्श के पश्चात विषय की प्रकृति और अंतर्वस्तु को दृष्टिगत रखते हुए 1+1+1+1+1 (वर्ष) के प्रारूप को उपयुक्त माना।
2. तत्काल प्रथम वर्ष की पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि (15 जुलाई, 2021) तक अपेक्षित अधिगम परिणामों और द्वितीय वर्ष की पाठ्यचर्याओं से सुसंगति को दृष्टिगत रखते हुए तैयार कर लेने का संकल्प किया गया, जिससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 को अकादमिक सत्र 2021-2022 से क्रियान्वित किया जा सके। शेष पाठ्यचर्याओं की तैयारी के लिए एक से दो वर्ष के अतिरिक्त समय की अपेक्षा व्यक्त की गयी।
3. पाठ्यचर्या को विद्या-परिषद् द्वारा अनुमोदित प्रारूप के प्रावधानों तथा विश्वविद्यालय द्वारा लिए गये निर्णयानुसार कार्यक्रमों की संरचना और पाठ्यचर्याओं को अगली बैठक में अंतिम रूप दिया जाएगा।

मद संख्या 02 एवं 03: विभाग के सत्रः 2014-15 एवं सत्र : 2015- 16 के दो पीएच.डी. शोधार्थियों के पुनः-पंजीकरण (Re-Registration) का आवेदन।

निर्णय:

क्र.सं.	शोधार्थी का नाम	सत्र	प्रवेश तिथि	शोध विषय	निर्णय
1.	नवनीत कुमार	2014-15	05.08.2014	रंगभाषा का संघटन : भाषिक एवं भाषेतर तत्व (संदर्भ : त्रिपुरारि शर्मा की नाट्य-प्रस्तुतियाँ)	पुनः पंजीकरण की अनुमति।

(91)

2.	जयप्रकाश गुप्ता	2015-16	18.07.2016	'मानक हिंदी में भोजपुरी का कोड मिश्रण : भोजपुरी भाषियों के विशेष संदर्भ में	पुन: पंजीकरण की अनुमति।

मद संख्या 04: शोधार्थी सुश्री रेनू सिंह की दिनांक 13 मार्च, 2021 को संपन्न हुई पूर्व-प्रस्तुति में विषय-विशेषज्ञ प्रो. पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु' द्वारा शोध कार्य के स्वरूप को देखते हुए शीर्षक में आंशिक संशोधन कर 'शैलीवैज्ञानिक अध्ययन' की जगह 'शैलीमापक्रमी अध्ययन' करने का सुझाव दिया गया था, जिसपर शोध निर्देशक एवं शोधार्थी दोनों ने अपनी सहमति व्यक्त की थी।

निर्णय : विषय-विशेषज्ञ के उक्त सुझाव को संस्तुति प्रदान की गई।

मद संख्या 05: विश्वविद्यालय के अध्यादेश और विद्या-परिषद् के निर्णयानुसार डॉ. विजया सिंह को शोध-निर्देशक नामित किए जाने का प्रस्ताव।

निर्णय : डॉ. विजया सिंह को शोध-निर्देशक नामित किया गया।

अध्यक्ष की अनुमति से अन्य मुद्दे -

1. डॉ. अमरेंद्र कुमार शर्मा के आवेदन पर विचार करते हुए उन्हें भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग में भाषा-विषयक क्षेत्रों में शोध कार्य कराने हेतु शोध-निर्देशक नामित किए जाने का प्रस्ताव।

निर्णय: प्रस्ताव अनुमोदित। साथ ही, प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल के शोध-निर्देशन में कार्य कर रही पीएच.डी. शोधार्थी सुश्री नेहा सुपारे (सत्र- 2015-16) का उन्हें सह शोध-निर्देशक बनाए जाने का भी निर्णय किया गया।

सभी सदस्यों ने निष्कर्षों/निर्णयों पर सहमति व्यक्त करते हुए स्कूल बोर्ड को संस्तुति हेतु प्रेषित करने का निर्णय किया और इसके कार्यवृत्त को ऑनलाइन संपुष्ट करने के लिए आश्वस्त किया।

बैठक अध्यक्ष के धन्यवाद-ज्ञापन के साथ संपन्न हुई।

(डॉ. विजया सिंह) (ऑनलाइन)	(श्री आम्रपाल शेंदरे) (ऑनलाइन)	(डॉ. धनजी प्रसाद) (ऑनलाइन)
(डॉ. अनिल कुमार दुबे) (ऑनलाइन)	(प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय) (ऑनलाइन)	(प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल) 25/05/2021
(प्रो. अंबा कुलकर्णी) (ऑनलाइन)	(प्रो. ठाकुरदास) (ऑनलाइन)	25/05/2021 (डॉ. एच. ए. हुनगुंद) अध्यक्ष

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

अध्ययन मंडल (BOS) की ऑनलाइन बैठक (दिनांक : 01.11.2020)

कार्यवृत्त

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की ऑनलाइन बैठक दिनांक 01.11.2020 को डॉ. एच. ए. हुनगुंद, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में निम्नलिखित सदस्य ऑनलाइन उपस्थित हुए –

1. डॉ. एच.ए. हुनगुंद, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग : अध्यक्ष
2. प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता (भाषा विद्यापीठ) : सदस्य
3. डॉ. एच. ए. हुनगुंद, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
4. डॉ. अनिल कुमार दुबे, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
5. डॉ. धनजी प्रसाद, सहायक प्रोफेसर : विशेष आमंत्रित सदस्य
6. श्री आम्रपाल शेंदरे, सहायक प्रोफेसर : विशेष आमंत्रित सदस्य
7. प्रो. ठाकुर दास, दिल्ली : बाह्य विषय विशेषज्ञ
8. प्रो. अंबा कुलकर्णी, हैदराबाद वि.वि., हैदराबाद : बाह्य विषय विशेषज्ञ
9. सुश्री अर्चना थूल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई : पूर्व छात्र प्रतिनिधि

बैठक में लिए गए मदवार निर्णय निम्नानुसार हैं-

मद संख्या-1 : विश्वविद्यालय द्वारा जारी 'अधिगम परिणाम आधारित रूपरेखा' (LOCF) प्रारूप में एम.ए. हिंदी (भाषाविज्ञान) कार्यक्रम की पाठ्य-संरचना पर विचार कर आवश्यक संशोधनों के साथ संस्तुति दी गई और विभागीय शिक्षकों द्वारा LOCF के अनुरूप तैयार की गई विस्तृत पाठ्यचर्याओं में अपेक्षित संशोधनों को समाहित करते हुए सत्र 2020-21 हेतु लागू करने के लिए निर्दिष्ट किया किया गया।

मद संख्या-2 : **एम.ए. हिंदी (भाषाविज्ञान)** का नाम **एम.ए. भाषाविज्ञान (हिंदी)** किए जाने पर विचार करते हुए कार्यक्रम का नाम पूर्ववत **एम.ए. हिंदी (भाषाविज्ञान)** किए जाने की संस्तुति की गई। मंडल द्वारा यह भी प्रस्तावित किया गया कि सत्र 2020-21 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप सत्र 2021-22 से स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का पुनर्नियोजन किया जाए।

मद संख्या-3 : विश्वविद्यालय द्वारा जारी 'अधिगम परिणाम आधारित रूपरेखा' (LOCF) प्रारूप में बी.ए. भाषाविज्ञान के पाठ्यक्रम संरचना पर विचार किया गया एवं संस्तुति प्रदान की गई।

मद संख्या-4 : विश्वविद्यालय द्वारा जारी 'अधिगम परिणाम आधारित रूपरेखा' (LOCF) प्रारूप में पी.जी.डिप्लोमा भाषाशिक्षण के पाठ्यक्रम संरचना पर विचार किया गया एवं संस्तुति प्रदान की गई।

मद संख्या-5 : पीएच.डी. शोधार्थियों के एक वर्ष के लिए पीएच.डी. शोध अवधि विस्तार हेतु आवेदन शोध निर्देशक से अग्रेषित होकर प्राप्त हुए थे। अभ्यर्थियों को शोध प्रगति की आख्या प्रस्तुत करने को निर्देशित किया गया था, जिसमें निम्नलिखित शोधार्थियों ने अपनी शोध प्रगति की आख्या प्रस्तुत की और उनकी प्रस्तुति के आधार पर निम्नानुसार निर्णय लिए गए -

क्र.सं.	शोधार्थी का नाम	सत्र	शोध-निर्देशक	प्रवेश तिथि	निर्णय
1	सुश्री रेनू सिंह	2016-17	डॉ. एच. ए. हुनगुंद	18.07.2016	30 अप्रैल 2021 तक शोध अवधि विस्तार दिए जाने का निर्णय इस शर्त के साथ लिया गया कि 17 जनवरी 2021 तक शोधार्थी द्वारा पूर्व प्रस्तुति दी जाएगी।
2	सुश्री दीप्ति एक्का	2016-17	डॉ. एच.ए. हुनगुंद	18.07.2016	वि-पंजीकरण (De-Registration)
3	श्री पंकज कुमार मिश्र	2016-17	डॉ. धनजी प्रसाद	18.07.2016	शोधार्थी द्वारा 30 अप्रैल 2021 तक पूर्व प्रस्तुति दिए जाने की शर्त के साथ उक्त तिथि तक शोध अवधि विस्तार दिए जाने का निर्णय लिया गया।

4	श्री आलोक कुमार मिश्र	2016-17	डॉ. धनजी प्रसाद	18.07.2016	वि-पंजीकरण (De-Registration)

निम्नलिखित शोधार्थी अपनी शोध प्रगति की आख्या प्रस्तुति हेतु उपस्थित नहीं हुए और इनके संबंध में निम्नानुसार निर्णय लिए गए -

क्र.सं.	शोधार्थी का नाम	सत्र	शोध-निर्देशक	प्रवेश तिथि	निर्णय
1	सुश्री वित्योलेन्यो लिडिया जुविचु	2016-17	प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय	18.07.2016	वि-पंजीकरण (De-Registration)
2	सुश्री अर्चना सिंह	2016-17	डॉ. अनिल कुमार दुबे	18.07.2016	वि-पंजीकरण (De-Registration)
3	श्री जयप्रकाश गुप्ता	2016-17	डॉ. धनजी प्रसाद	18.07.2016	वि-पंजीकरण (De-Registration)

मद संख्या-6: विभाग के सत्र 2014-15 के पीएच.डी. शोधार्थी का पुन:-पंजीकरण (Re-Registration) किए जाने का निर्णय लिया गया।

क्र.सं.	शोधार्थी का नाम	सत्र	प्रवेश तिथि	शोध विषय	निर्णय
1	सुश्री हेमलता गोडबोले	2014-15	09.10.2014	मराठी नामपद अभिज्ञानक	Re-Registration

मद संख्या-7: विभाग के सत्र 2015-16 के पीएच.डी. शोधार्थी का वि-पंजीकरण (De-Registration) किए जाने का निर्णय लिया गया।

1	श्री सुरेन्द्र कुमार	2015-16	07.07.2015	भोजपुरी के अव्यय पदबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन	De- Registration

मद संख्या-8: एम.ए. हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी) को सत्र 2020-21 के लिए स्थगित करने का निर्णय लिया गया।

मद संख्या-9: एम.फिल. शोधार्थियों (सत्र - 2019-21) के शोध विषयों पर विचार किया गया एवं निम्नानुसार निर्णय लिए गए-

क्र.सं.	शोधार्थी का नाम	प्रस्तावित शोध विषय	स्वीकृत शोध विषय/निर्णय	सत्र	शोध-निर्देशक
1	विनीत कुमार	महाराष्ट्र में रहने वाले भोजपुरी भाषियों का समाज भाषावैज्ञानिक अध्ययन	विदर्भ में रहने वाले भोजपुरी भाषियों की भाषा का समाजभाषावैज्ञानिक अध्ययन (वर्धा एवं नागपुर के विशेष संदर्भ में)	2019-21	डॉ. अनिल कुमार दुबे
2	अक्षय कुमार	"हिंदी और भोजपुरी के विशेषणों का तुलनात्मक अध्ययन"	शोध निर्देशक के साथ चर्चा करके 30 नवंबर 2020 तक नया शोध विषय प्रस्तुत करें।	2019-21	डॉ. धनजी प्रसाद

(सुश्री अर्चना थूल)
पूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि

(श्री आम्रपाल शेंदरे)
विशेष आमंत्रित सदस्य

(डॉ. धनजी प्रसाद) 1-11-2020
विशेष आमंत्रित सदस्य

(डॉ. अनिल कुमार दुबे)
सदस्य

(प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल)
सदस्य

(प्रो. ठाकुर दास)
बाह्य विषय विशेषज्ञ

(प्रो. अंबा कुलकर्णी)
बाह्य विषय विशेषज्ञ

01/11/2020
(डॉ. एच.ए. हुनगुंद)
अध्यक्ष

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

अध्ययन मंडल (BOS) की ऑनलाइन बैठक (दिनांक : 20 अप्रैल, 2020)

कार्यवृत्त

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक दिनांक 20 अप्रैल, 2020 को प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्षता में ऑनलाइन बैठक संपन्न हुई। निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

8.	प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	: अध्यक्ष
9.	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रोफेसर	: सदस्य
10.	डॉ. एच. ए. हुनगुंद, सहायक प्रोफेसर	: सदस्य
11.	डॉ. अनिल कुमार दुबे, सहायक प्रोफेसर	: सदस्य
12.	डॉ. धनजी प्रसाद, सहायक प्रोफेसर	: सदस्य
13.	डॉ. ज्योत्सना रघुवंशी	: बाह्य विषय विशेषज्ञ
14.	डॉ. अनिल ठाकुर, वाराणसी	: बाह्य विषय विशेषज्ञ
15.	डॉ. रणजीत कुमार भारती, आगरा	: पूर्व छात्र प्रतिनिधि

बैठक में लिए गए मदवार निर्णय निम्नानुसार हैं-

मद संख्या-1 : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिर्देश एवं महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के निर्णय के अनुसार अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम ढाँचा (LOCF) आधारित पाठ्यक्रम की संशोधधित रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ-

1. एम.ए. हिंदी (भाषाविज्ञान), एम.ए. हिंदी (भाषाप्रौद्योगिकी), एम.ए. (भाषा शिक्षण)
2. बी.ए. भाषाविज्ञान (ऑनर्स)
   - ❖ पाठ्यक्रम संरचना संलग्न।

- अनुमोदित।

20/04/202

अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक

कार्यवृत्त

दिनांक : 28 फरवरी, 2020

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक दिनांक 28 फरवरी 2020 को प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1.	प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	: अध्यक्ष
2.	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रोफेसर	: सदस्य
3.	डॉ. एच. ए. हुनगुंद, सहायक प्रोफेसर	: सदस्य
4.	डॉ. अनिल कुमार दुबे, सहायक प्रोफेसर	: सदस्य
5.	डॉ. धनजी प्रसाद, सहायक प्रोफेसर	: सदस्य
6.	डॉ. अनिल ठाकुर, वाराणसी	: बाह्य विषय विशेषज्ञ
7.	डॉ. रणजीत कुमार भारती, आगरा	: पूर्व छात्र प्रतिनिधि

- डॉ. ज्योत्सना रघुवंशी,बाह्य विषय विशेषज्ञ व्यक्तिगत कारणों से बैठक में उपस्थित नहीं हो सकीं।

<u>बैठक में लिए गए मदवार निर्णय निम्नानुसार हैं-</u>

<u>मद संख्या-1 :</u> विभाग द्वारा संचालित निम्नांकित पाठ्यक्रम के संशोधित रूप (दिनांकः 24, 25 एवं 26 फरवरी 2020 तक आयोजित पाठ्यक्रम पुनर्निर्माण एवं संशोधन परिवर्धन कार्यशाला में संशोधित) विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ-

1. एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी (पुनर्संरचना)

   अध्ययन-मंडल ने सर्वसम्मति से पाठ्यक्रम की प्रस्तावित पुनर्संरचना को अनुमोदित किया और निम्नलिखित तीन उपाधियों के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को विद्या परिषद के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया-

   - एम. ए. हिंदी (भाषा शिक्षण)
   - एम. ए. हिंदी (भाषाविज्ञान)
   - एम. ए. हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी)

   तीनों स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रमों के लिए पहले दो सेमेस्टर समान होंगे। तीसरे एवं चौथे सेमेस्टर में उपरिलिखित तीनों पाठ्यक्रमों की विशेषज्ञता एवं/कौशल आधारित उपाधि पाठ्यचर्या होंगी। प्रथम वर्ष में प्रवेश प्राप्त कोई विद्यार्थी यदि पाठ्यक्रम दो सेमेस्टर के बाद छोड़ना चाहता है तो उसे हिंदी (भाषाविज्ञान) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा दिए जाने पर विचार किया जा सकता है।

   उपर्युक्त तीनों स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रमों में से जिस भी पाठ्यक्रम में विद्यार्थी ने स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की होगी, वे उसी में एम.फिल. और पी-एच.डी. की उपाधि हेतु प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे।

   अंतरविभागीय/अंतरविद्यापीठ पाठ्ययोजना के अंतर्गत जिन्होंने प्रथम दो सेमेस्टर हिंदी साहित्य की पढ़ाई की होगी एवं कम से कम 06 क्रेडिट की भाषा एवं/भाषाविज्ञान संबंधी पाठ्यचर्या पूरी की होगी, वे हिंदी (भाषा शिक्षण) विकल्प में स्नातकोत्तर उपाधि प्रदान किए जाने हेतु तीसरे एवं चौथे सेमेस्टर में सीधे प्रवेश के लिए अर्ह माने जाएँगे।

2. एम.फिल. भाषा प्रौद्योगिकी (आंशिक संशोधन)
3. पी-एच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी (कोर्सवर्क) (आंशिक संशोधन)

- एम.फिल. भाषा प्रौद्योगिकी एवं पी-एच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों के शोध प्रविधि के प्रश्नपत्र में 'प्लेगरिज़्म' की पाठ्यचर्या जोड़ी गई।

4. बी.ए. भाषाविज्ञान (आनर्स) (2019-20) में किए गए आंशिक संशोधन की कार्योत्तर स्वीकृति दी गई।

- इस पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर में 'हिंदी भाषा की संरचना' तथा द्वितीय सेमेस्टर में 'लिपि और उसका भारतीय परिप्रेक्ष्य' प्रश्नपत्रों के 02 एवं 04 क्रेडिट के दो सेट निर्मित किए गए।

5. एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी (2019-20) में किए गए आंशिक संशोधन की कार्योत्तर स्वीकृति दी गई।

- इस पाठ्क्रम के प्रथम सेमेस्टर में 'भाषा चिंतन परंपरा' प्रश्नपत्र को 04 क्रेडिट करते हुए इसे मूल में स्थानांतरित किया गया तथा 'भाषा और संबद्ध विषय' को 04 क्रेडिट करते हुए ऐच्छिक हेतु रखा गया। द्वितीय सेमेस्टर में ''भाषा का सामाजिक पक्ष' (04 क्रेडिट) को मूल में स्थानातरित किया गया।

मद संख्या-2: विभाग के सत्रः 2018-19 में निम्नलिखित चयनित पी-एच.डी. शोधार्थियों के शोध- निर्देशक का निर्धारण पर विचार किया गया।

क्रम	शोधार्थी का नाम	प्रस्तावित शोध विषय	शोध-निर्देशक
1	धर्मेन्द्र पटेल	बुंदेली और हिंदी क्रिया पदबंधों का व्यक्तिरेकी अध्ययन	डॉ. एच. ए. हुनगुंद
2	सन्मति जैन	हिंदी एवं जापानी क्रिया-पदबंध: साम्य एवं वैषम्य	प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय
3	एम. फ्योबेनी किकोन	लोथा भाषा के लोकगीतों का हिंदी अनुवाद एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन (विशेष संदर्भ: प्रचलित लोथा लोकगीत)	डॉ. एच. ए. हुनगुंद

मद संख्या-3: विभाग के सत्रः 2018-20 के एम.फिल. शोधार्थियों के विषय में आंशिक संशोधन पर विचार किया गया।

(अनुपस्थित)
(डॉ. रणजीत कुमार भारती)
पूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि

(डॉ. धनजी प्रसाद)
सदस्य

(डॉ. अनिल कुमार दुबे)
सदस्य

(डॉ. एच. ए. हुनगुंद)
सदस्य

(प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल)
सदस्य

(डॉ. अनिल ठाकुर)
बाह्य विषय विशेषज्ञ

24/04/2020
(प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय)
अध्यक्ष

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक
कार्यवृत्त

दिनांक : 19 अगस्त 2019

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक दिनांक 19 अगस्त 2019 को प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1. प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग : अध्यक्ष
2. प्रो. ज्योत्सना रघुवंशी, नई दिल्ली : बाह्य विषय विशेषज्ञ
3. प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, प्रोफेसर : सदस्य
4. डॉ. एच. ए. हुनगुंद, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
5. डॉ. अनिल कुमार दुबे, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
6. डॉ. धनजी प्रसाद, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
7. डॉ. रणजीत भारती, आगरा : पूर्व छात्र प्रतिनिधि

- डॉ. अनिल ठाकुर,बाह्य विषय विशेषज्ञ व्यक्तिगत कारणों से बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

बैठक में लिए गए मदवार निर्णय निम्नानुसार हैं-

मद संख्या-1 : विभाग द्वारा संचालित होने वाले पाठ्यक्रम 'हिन्दी भाषा में दक्षता' का निर्माण एवं स्वीकृति।

निर्णय **अनुमोदित।** यह पाठ्यक्रम पूरे विश्वविद्यालय में आधार भाषा के स्थान पर द्वितीय सेमेस्टर में शामिल होगा।

मद संख्या-2: पी-एच. डी. भाषा प्रौद्योगिकी के शोधार्थियों (सत्र: 2018-19) के शोध-विषय एवं शोध-निर्देशक का निर्धारण।

निर्णय **निम्नानुसार शोध-विषय एवं शोध निर्देशक का निर्धारण किया गया।**

क्रम	शोधार्थी का नाम	प्रस्तावित शोध विषय	शोध-निर्देशक
1	तेज प्रताप टंडन	हिन्दी एवं उर्दू काव्यभाषा का तुलनात्मक अध्ययन	प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल
2	कामेश्वर सिंह	ई-कामर्स उत्पादों पर की गई हिंदी-टिप्पणियों का संवेदनात्मक विश्लेषण	प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल
3	सत्येन्द्र कुमार	सोशल मीडिया ट्रोलिंग का समाज-मनोभाषा वैज्ञानिक अध्ययन व ट्रोलिंग अभिज्ञानक का निर्माण	प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल
4	सुरभि सूतिया	हिंदी एवं असमिया सरल क्रिया पदबंधों का व्यतिरेकी विश्लेषण	प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय
5	मन्नू सिंह यादव	हिंदी क्रियाविशेषण एवं क्रिया समूहक	प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय
6	बिश्वजीत नारायण	एकाधिक संज्ञाओं से निर्मित संज्ञा पदबंधों का संरचनात्मक अध्ययन	प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय
7	धर्मेन्द्र पटेल	बुंदेली और मानक हिंदी क्रिया पदबंधों का व्यतिरेकी अध्ययन	शोध निर्देशक की उपलब्धता के पश्चात
8	सन्मति जैन	हिंदी एवं जापानी क्रिया-पदबंध: व्यतिरेकी विश्लेषण	शोध निर्देशक की उपलब्धता के पश्चात
9	एम. फ्योबेनी किकोन	लोथा एवं हिंदी की रूपिमिक संरचना : व्यतिरेकी विश्लेषण	शोध निर्देशक की उपलब्धता के पश्चात

मद संख्या-3: **एम.फिल. भाषा प्रौद्योगिकी के शोधार्थियों (सत्र: 2018-19) के शोध-विषय एवं शोध-निर्देशक का निर्धारण।**

निर्णय **निम्नानुसार शोध-विषय एवं शोध निर्देशक का निर्धारण किया गया।**

क्रम	शोधार्थी का नाम	प्रस्तावित शोध विषय	शोध-निर्देशक
1	वैष्णवी पाण्डेय	पूर्व मीमांसा परपंरा में वाक् चिंतन	प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल
2	विकास मिश्र	न्याय दर्शन में शब्द चिंतन	प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल
3	अशोक जाँगिड़	बीसलदेव रास का रुप वैज्ञानिक अध्ययन	प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल
4	प्रेमचंद बा. नागदेवते	मराठी भाषी हिन्दी अध्यापकों का त्रुटि विश्लेषण	डॉ. अनिल कुमार दुबे
5	जूही पाण्डेय	रामलला नहछू का समाज-भाषावैज्ञानिक अध्ययन	प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय
6	हिमांशु कुमार तिवारी	संस्कृत (लकारों) एवं हिंदी के कालों का व्यतिरेकी विशेषण	प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय
7	जयलक्ष्मी सिंह	भोजपुरी के पुनरुक्त शब्दों का संरचनात्मक एवं आर्थी विश्लेषण	प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय
8	सुदेश कुमार	त्रिलोचन के काव्य-संग्रह 'धरती' का शैली वैज्ञानिक अध्ययन	डॉ. अनिल कुमार दुबे*
9	भूपेन्द्र दुबे	हिंदी पत्रकारिता की भाषा संरचना एवं स्वरुप : एक अनुशीलन	डॉ. एच.ए. हुनगुंद*
10	राहुल कुमार	प्रिंट मीडिया की भाषा में अमानक एवं अशुद्ध प्रयोगों का अध्ययन	डॉ. एच.ए. हुनगुंद
11	गुलशन कुमार	भीटी तहसील के जूनियर हाईस्कूल के छात्रों का हिन्दी भाषा अधिगम का त्रुटि विश्लेषण (विशेष संदर्भ: कक्षा 06 से 08)	डॉ. धनजी प्रसाद*
12	कु. सोनू नरेंद्र नाखले	पर्यटन के क्षेत्र में ज्ञान आधारित पाठ से वाक् अंतरक का विकास	डॉ. धनजी प्रसाद

* विशेष परिस्थिति में आवंटित।

मद संख्या- 4: निम्नांकित पी-एच.डी. शोधार्थियों के **पी-एच.डी.** विपंजीकरण (Deregistration) पर विचार।

क्रम	शोधार्थी का नाम	शोध-विषय	शोध-निर्देशक	सत्र	प्रवेश तिथि
1	नवनीत कुमार	रंगभाषा का संघटनक: भाषिक एवं भाषेतर तत्व (संदर्भ: त्रिपुरारी शर्मा की नाट्य प्रस्तुतियाँ)	प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल	2014-15	05.08.2014
2	हेमलता गोडबोले	मराठी नामपद अभिज्ञानक	डॉ. धनजी प्रसाद	2014-15	09.10.2014
3	अभिजीत कुमार मिश्रा	21वीं सदी की कथा भाषा का शैली वैज्ञानिक अध्ययन (2001-2010 तक चयनित 5 उपन्यास और 15 कहानियों के विशेष संदर्भ में)	डॉ. एच.ए. हुनगुंद	2015-16	15.07.2015

निर्णय **अनुमोदित।**

मद संख्या- 5: पी-एच.डी. शोधार्थी श्री सचिन हाड़के से प्राप्त शोध-निर्देशक आवंटन हेतु आवेदन पर विचार।

क्रम	शोधार्थी का नाम	शोध-विषय	शोध-निर्देशक
1	सचिन हाड़के	'कॉर्पोरेट जगत में प्रयुक्त वाणिज्यिक हिंदी का विश्लेषण'	डॉ. एच.ए. हुनगुंद

निर्णय **अनुमोदित।**

मद संख्या- 6: अरुण कुमार पाण्डेय, अभिजीत प्रसाद, अभिजीत कुमार मिश्रा एवं नेहा सुपारे के आवेदन पर विचार करते हुए इन्हें पी-एच.डी. कोसवर्क की परीक्षा में सम्मिलित होने की स्वीकृति दी जा सकती है, इस आधार पर कि इन्होंने एम.फिल. में दो सेमेस्टर तक की परीक्षा नियमित रुप से उपस्थित रहते हुए उत्तीर्ण की थी। अनुमोदन पर विचार।

निर्णय **अनुमोदित।**

मद संख्या- 7: अरुण कुमार पाण्डेय, अभिजीत प्रसाद नेहा सुपारे एवं अभिजीत मिश्रा ने पी-एच.डी. के दौरान केवल तीन वर्ष तक ही शोधवृत्ति प्राप्त की है, जबकि विश्वविद्यालय में शोधार्थियों को चार वर्ष तक शोधवृत्ति प्रदान की जाती है। अत: एम.फिल. के दौरान ली गई शोधवृत्ति का पी-एच.डी. के शेष एक वर्ष की शोधवृत्ति से समायोजन करने पर विचार करने की संस्तुति की जाती है।

निर्णय संस्तुति अग्रेषित।

अध्ययन मंडल के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय द्वारा अध्ययन मंडल के सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

(डॉ. रणजीत भारती)
पूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि

(डॉ. धनजी प्रसाद)
सदस्य

(डॉ. अनिल कुमार दुबे)
सदस्य

(डॉ. एच. ए. हुनगुंद)
सदस्य

(प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल)
सदस्य

(प्रो. ज्योत्सना रघुवंशी)
बाह्य विषय विशेषज्ञ

(प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय)
अध्यक्ष

- क्रम संख्या 3 से 11 तक के शोधार्थियों को प्रवेश तिथि से 05 वर्ष तक का शोध विस्तार दिया जाता है। उक्त तिथि के पश्चात शोध अवधि विस्तार पर विचार नहीं किया जा सकेगा। यदि शोधार्थी बढ़ायी गयी निर्धारित तिथि तक अपना शोध-प्रबंध विभाग में नहीं प्रस्तुत करता है तो उसका पंजीयन स्वत: रद्द हो जायेगा। शोधवृत्ति का भुगतान विश्वविद्यालय के नियमानुसार किया जाएगा।

मद संख्या-4: पी-एच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी में पंजीकृत (सत्र 2015-16) शोधार्थी श्री अभिजीत कुमार मिश्रा के संदर्भ में 20 अगस्त 2018 को संपन्न हुई अध्ययन मंडल में निर्णय लिया गया कि शोधार्थी से यह जानकारी प्राप्त की जाए कि वह कब तक अपना शोध-प्रबंध विभाग में प्रस्तुत करेंगे। उक्त के आलोक में श्री अभिजीत कुमार मिश्रा द्वारा प्राप्त आवेदन अवलोकनार्थ

निर्णय अध्ययन मंडल ने उक्त का संज्ञान लिया।

अध्यक्ष की अनुमति से अन्य मुद्दे -

1. **Teaching Associate ship एवं Research Associate ship में एम.फिल./पी-एच.डी. के शोधार्थियों की उपस्थिति पर विचार।**

निर्णय : Residency Period के दौरान संबंधित शोधार्थियों की उपस्थिति विभाग में होने वाले Teaching & Research कार्यक्रमों के दौरान अनिवार्य होगी।

2. **विभाग द्वारा साप्ताहिक सेमीनार /संवाद आयोजित किए जाए तथा इन कार्यक्रमों में विभाग के सभी शोधार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य की जाए।**

निर्णय : अध्ययन मंडल ने इसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया।

अध्ययन मंडल के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय द्वारा अध्ययन मंडल के सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

(डॉ. रणजीत कुमार भारती) **पूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि**	(डॉ. धनजी प्रसाद) **सदस्य**	(डॉ. अनिल कुमार दुबे) **सदस्य**
10/05/2019 (डॉ. एच. ए. हुनगुंद) **सदस्य**	(प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल) **सदस्य** 10/05/19	(डॉ. अनिल ठाकुर) **बाह्य विषय विशेषज्ञ**

(प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय)
अध्यक्ष

निर्णय

- बी.ए. भाषाविज्ञान (आनर्स), एम.फिल. भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषाविज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को आंशिक संशोधन के साथ अनुमोदित किया गया। संशोधित पाठ्यक्रम सत्र 2019-20 से लागू होंगे।
- विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के नाम में आंशिक परिवर्तन किया गया। परिवर्तित पाठ्यक्रम सत्र 2020-21 से प्रभावी होंगे। विवरण निम्नानुसार है-

पाठ्यक्रम का नाम	परिवर्तित नाम
एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी	एम.ए. हिंदी (भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी)
एम.फिल. भाषा प्रौद्योगिकी	एम.फिल. हिंदी (भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी)
पी-एच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी	पी-एच.डी. हिंदी (भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी)

- एम.ए. हिंदी (भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रम के प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर की संरचना बनायी गयी जिसे अध्ययन मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया तथा यह निर्णय लिया गया कि तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रमों की संरचना बनाकर आगामी अध्ययन मंडल में रखी जाय। यह पाठ्यक्रम सत्र 2020-21 से संचालित किया जायेगा।
- एम.फिल. एवं पी-एच.डी. (कोसवर्क) के पाठ्यक्रम में **IPR, Copy Right एवं Plagiarism को पाठ्यचर्या में शामिल** करने का निर्णय लिया गया।
- भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग में संचालित एम.फिल/पी-एच.डी. हेतु लीला विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम Computer Operations & Application पर विचार किया गया तथा इसे सत्र 2020-21 से लागू करने का निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा भी इसे लागू किया जा सकता है।

मद संख्या-3: पी-एच.डी. शोधार्थियों ने पी-एच.डी. शोध अवधि विस्तार हेतु आवेदन किया है। विवरण निम्नानुसार है-

क्रम	शोधार्थी का नाम	सत्र	शोध- निर्देशक	प्रवेश तिथि	टिप्पणी
1	सुश्री रश्मि रानी	2014-15	डॉ. एच.ए. हुनगुंद	12.08.2014	शोध-निर्देशक की सहमति से विचार
2	सुश्री अनामिका गुप्ता	2014-15	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	05.08.2014	
3	श्री गिरीश चंद्र पाण्डेय	2014-15	प्रो. अनिल कु. पाण्डेय	09.10.2014	
4	सुश्री हेमलता गोड़बोले	2014-15	डॉ. धनजी प्रसाद	09.10.2014	
5	श्री सुरेन्द्र कुमार	2015-16	प्रो. अनिल कु. पाण्डेय	07.07.2015	
6	श्री अरुण कुमार पाण्डेय	2015-16	प्रो. अनिल कु. पाण्डेय	15.07.2015	
7	श्री इन्द्र कुमार पाण्डेय	2015-16	डॉ. अनिल कु. दुबे	07.07.2015	
8	श्री अभिजीत प्रसाद	2015-16	डॉ. अनिल कु. दुबे	15.07.2015	
9	सुश्री विजया सिंह	2015-16	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	07.07.2015	
10	सुश्री नेहा मनोहरराव सुपारे	2015-16	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	15.07.2015	
11	श्री अभिजीत कुमार मिश्रा	2015-16	डॉ. एच.ए. हुनगुंद	15.07.2015	

शोध अवधि विस्तार हेतु प्राप्त आवेदन पर विचार।

निर्णय

- क्रम संख्या 1 एवं 2 (सुश्री रश्मि रानी एवं सुश्री अनामिका गुप्ता) को प्रवेश तिथि से पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपरांत मातृत्व अवकाश की अवधि (08 माह) तक विस्तार दिया गया। उक्त तिथि के पश्चात शोध अवधि विस्तार पर विचार नहीं किया जा सकेगा।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक

कार्यवृत्त

दिनांक : 10 मई 2019

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक दिनांक 10 मई 2019 को प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1. प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग : अध्यक्ष
2. डॉ. अनिल ठाकुर, वाराणसी : बाह्य विषय विशेषज्ञ
3. प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रोफेसर : सदस्य
4. डॉ. एच. ए. हुनगुंद, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
5. डॉ. अनिल कुमार दुबे, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
6. डॉ. धनजी प्रसाद, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
7. डॉ. रणजीत कुमार भारती, आगरा : पूर्व छात्र प्रतिनिधि

➢ डॉ. ज्योत्सना रघुवंशी,बाह्य विषय विशेषज्ञ व्यक्तिगत कारणों से बैठक में उपस्थित नहीं हो सकीं।

बैठक में लिए गए मदवार निर्णय निम्नानुसार हैं-

मद संख्या-1: पी-एच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी में पंजीकृत (सत्र 2017-18) शोधार्थी श्री धनन्जय सिंह से प्राप्त शोध निर्देशक के परिवर्तन संबंधी आवेदन पर विचार एवं शोध-निर्देशक तथा शोध-विषय का निर्धारण।

निर्णय **निम्नानुसार शोध-विषय एवं शोध निर्देशक का निर्धारण किया गया-**

क्रम	शोधार्थी का नाम	निर्धारित शोध विषय/टिप्पणी	शोध-निर्देशक
1	धनन्जय सिंह	''भोजपुरी का नियम आधारित POS टैगर : निर्माण और चुनौतियाँ''	डॉ. अनिल कुमार दुबे

शोधार्थी को एक सप्ताह के भीतर पूर्ण शोध-प्रारूप जमा करने हेतु निर्देशित किया जाय।

मद संख्या-2: विभाग द्वारा संचालित निम्नांकित पाठ्यक्रम के में संशोधन/परिवर्धन के संदर्भ में विचार ।

1. बी.ए. भाषाविज्ञान (आनर्स)
2. एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी
3. एम.फिल. भाषा प्रौद्योगिकी
4. पी-एच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी (कोर्सवर्क)
5. भाषा शिक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
6. भाषाविज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

➢ एम.फिल. एवं पी-एच.डी. (कोसवर्क) के पाठ्यक्रम में IPR, Copy Right एवं Plagiarism की पाठ्यचर्या शामिल करने पर विचार।

➢ अधिष्ठाता भाषा विद्यापीठ द्वारा प्रस्तावित एम.फिल/पी-एच.डी. हेतु लीला विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम Computer Operations & Application पर विचार।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक

कार्यवृत्त

दिनांक : 20 अगस्त 2018

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक दिनांक 20 अगस्त 2018 को प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1. प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग : अध्यक्ष
2. प्रो. ज्योत्सना रघुवंशी, नई दिल्ली : बाह्य विषय विशेषज्ञ
3. डॉ. अनिल ठाकुर, वाराणसी : बाह्य विषय विशेषज्ञ
4. प्रो. वृषभ प्रसाद जैन, प्रोफेसर : सदस्य
5. प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रोफेसर : सदस्य
6. डॉ. एच. ए. हुनगुंद, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
7. डॉ. अनिल कुमार दुबे, सहायक प्रोफेसर : सदस्य अनिल दुबे
8. डॉ. धनजी प्रसाद, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
9. डॉ. रणजीत कुमार भारती, आगरा : पूर्व छात्र प्रतिनिधि

बैठक में लिए गए मदवार निर्णय निम्नानुसार हैं-

मद संख्या-1: पी-एच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी में पंजीकृत (सत्र 2017-18) शोधार्थियों (धनन्जय सिंह एवं उपेन्द्र कुमार) के शोध-विषय एवं शोध निर्देशक का निर्धारण।

निर्णय **निम्नानुसार शोध-विषय एवं शोध निर्देशक का निर्धारण किया गया-**

क्रम	शोधार्थी का नाम	निर्धारित शोध विषय/टिप्पणी	शोध-निर्देशक
1	धनन्जय सिंह	शोधार्थी द्वारा प्रस्तावित शोध-प्रस्ताव पर अध्ययन मंडल ने असंतोष व्यक्त किया। शोध- प्रस्ताव अस्पष्ट है। शोध-क्षेत्र का उल्लेख नहीं है। शोधार्थी अपने शोध निर्देशक से चर्चा कर 03 माह के भीतर अपना शोध-प्रस्ताव विभाग में प्रस्तुत करें।	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल
2	उपेन्द्र कुमार	**भोजपुरी विधेय पदबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन** **निर्देश :** भोजपुरी के क्षेत्र का उल्लेख नहीं है। अधिकतम 03 जिलों को सम्मिलित किया जाए।	प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय

20/08/2018

मद संख्या-2: भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के शोधार्थियों (स्वर्णलता सिन्हा, अभिजीत कुमार मिश्रा एवं रेनू सिंह) से प्राप्त आवेदनों 'शोध विषय में आंशिक परिवर्तन' पर विचार।

निर्णय **निम्नानुसार संशोधन किया गया-**

क्रम	शोधार्थी का नाम	पूर्व में निर्धारित विषय	आंशिक परिवर्तन उपरांत निर्धारित विषय
1	स्वर्णलता सिन्हा	हिंदी में व्युत्पादक प्रत्यय योजकता और प्रतिबंध	हिंदी में व्युत्पादक प्रत्यय : योजकता और प्रतिबंध
2	अभिजीत कुमार मिश्रा	21 वीं सदी की कथा भाषा का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन (2001-2010 तक चयनित 5 उपन्यास और 15 कहानियों के विशेष संदर्भ में)	21वीं सदी के प्रथम दशक के चयनित 05 कथाकारों की कथा भाषा का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन
3	रेनू सिंह	'रागदरबारी' उपन्यास का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन	'बिस्रामपुर का संत' उपन्यास का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन

- उक्त के आलोक में अध्ययन मंडल ने यह भी निर्णय लिया कि विभाग में पंजीकृत शोधार्थियों को निर्देश दिया जाए कि शोध-प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय शोधार्थी प्रस्तावित शोध विषय से अपनी संबद्धता/पात्रता संबंधी विवरण विभाग में जमा करें।

मद संख्या-3: पी-एच.डी शोधार्थी सचिन हाड़के (सत्र 2016-17) द्वारा प्रस्तावित शोध विषय **''सूर्यनारायण रणसुभे द्वारा मराठी से हिंदी में अनूदित उपन्यास 'हिंदू' का भाषिक मूल्यांकन''** पर विचार (स्कूल बोर्ड ने निर्णय लिया कि विभाग की आगामी अध्ययन मंडल में विचार किया जाए)। शोध-विषय एवं शोध-निर्देशक का निर्धारण।

निर्णय

क्रम	शोधार्थी का नाम	टिप्पणी	शोध-निर्देशक
1	सचिन हाड़के	शोधार्थी द्वारा प्रस्तावित शोध-प्रस्ताव पर अध्ययन मंडल ने असंतोष व्यक्त किया। शोधार्थी की शैक्षिक योग्यता (M.Com) को ध्यान में रखते हुए अध्ययन मंडल ने शोधार्थी को निर्देश दिया कि शैक्षिक योग्यता के आलोक में अपना शोध-प्रस्ताव शोध निर्देशक से चर्चा कर 03 माह के भीतर विभाग में प्रस्तुत करे।	डॉ. एच.ए. हुनगुंद

मद संख्या-4: विभाग द्वारा संचालित निम्नांकित पाठ्यक्रम के संशोधित रूप (दिनांक 30 जुलाई 2018 से 02 अगस्त 2018 तक आयोजित पाठ्यक्रम पुनर्निर्माण एवं संशोधन परिवर्धन कार्यशाला में संशोधित) विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ-

1. बी.ए. भाषाविज्ञान (आनर्स)
2. एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी
3. एम.फिल. भाषा प्रौद्योगिकी
4. पी-एच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी (कोर्सवर्क)
5. भाषा शिक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
6. भाषाविज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
7. भाषा प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

निर्णय **सभी पाठ्यक्रम आवश्यक संशोधन/परिवर्धन के साथ अनुमोदित किया गया। क्रम संख्या 07 पर अंकित भाषा प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा को फिलहाल स्थगित रखने का निर्णय लिया गया।**

मद संख्या-5: पी-एच.डी शोध अवधि विस्तार हेतु विभाग के पी-एच.डी. शोधार्थियों (प्रफुल्ल मेश्राम, अमित कुमार गुप्ता, प्रिया शैलेश कदम, रश्मि रानी, अनामिका गुप्ता एवं नवनीत कुमार) ने आवेदन किया है। शोध अवधि विस्तार हेतु प्राप्त आवेदन पर विचार।

निर्णय **सभी शोधार्थियों को प्रवेश तिथि से 05 वर्ष तक का शोध विस्तार दिया जाता है। उक्त तिथि के पश्चात शोध अवधि विस्तार पर विचार नहीं किया जा सकेगा। यदि शोधार्थी बढ़ायी गयी निर्धारित तिथि तक अपना शोध-प्रबंध विभाग में नहीं प्रस्तुत करता है तो उसका पंजीयन स्वतः रद्द हो जायेगा। शोधवृत्ति का भुगतान विश्वविद्यालय के नियमानुसार किया जाएगा।**

मद संख्या -6 : शोध-अवकाश (वित्योलेन्यो लिडिया जुविचु का) पर विचार।

निर्णय **पी-एच.डी. शोधार्थी वित्योलेन्यो लिडिया जुविचु को 03 माह (02 अगस्त 2018 से 02 नवंबर 2018 तक) का शोध अवकाश स्वीकृत किया गया। इस अवधि में शोधार्थी किए गए कार्यों से अपने शोध-निर्देशक को अवगत करायेंगी। शोध-निर्देशक के संतुष्टि के उपरांत उन्हें और 03 माह का शोध अवकाश दिया जा सकेगा।**

मद संख्या -7 : निम्नलिखित पी-एच.डी. शोधार्थियों के सेवारत होने की सूचना –

क्रम	सेवारत शोधार्थी का नाम	पदनाम	संस्थान	टिप्पणी
1	सुश्री रश्मि रानी	अंशकालीक अध्यापक	म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा	अस्थायी
2	श्री अरुण कुमार पाण्डेय	रिसर्च असिस्टेंट	झारखण्ड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची	अस्थायी
3	श्री अभिजीत कुमार मिश्रा	असिस्टेंट मैनेजर	इंडियन बैंक	स्थायी
4	श्री नवनीत कुमार	शोध सहायक (परियोजना)	म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा	अस्थायी
5	सुश्री विजया सिंह	शोध सहायक(परियोजना)	म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा	अस्थायी
6	श्री अभिजीत प्रसाद	शोध सहायक (मानक कोश)	म.गा.अं.हिं.वि., वर्धा	अस्थायी

निर्णय : **अध्ययन मंडल ने उक्त का संज्ञान लिया। श्री अभिजीत कुमार मिश्रा के संदर्भ में यह निर्णय लिया गया कि शोधार्थी से यह जानकारी प्राप्त की जाए कि वह कब तक अपना शोध-प्रबंध विभाग में प्रस्तुत करेंगे।**

अध्ययन मंडल के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय द्वारा अध्ययन मंडल के सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

(डॉ. रणजीत कुमार भारती)
पूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि

(डॉ. धनजी प्रसाद)
सदस्य

(डॉ. अनिल कुमार दुबे)
सदस्य

20/08/2018
(डॉ. एच. ए. हुनगुंद)
सदस्य

(प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल)
सदस्य

(प्रो. वृषभ प्रसाद जैन)
सदस्य

(डॉ. अनिल ठाकुर)
बाह्य विषय विशेषज्ञ

(प्रो. ज्योत्सना रघुवंशी)
बाह्य विषय विशेषज्ञ

(प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय)
अध्यक्ष

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक

<u>कार्यवृत्त</u>

दिनांक : 15-16 सितंबर 2017

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक दिनांक 15-16 सितंबर 2017 को प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए -

1. प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय, [illegible] प्रोफेसर : अध्यक्ष
2. डॉ. के.एल. वर्मा, रायपुर : बाह्य विषय विशेषज्ञ
3. डॉ. रामभावसार, जलगाँव : बाह्य विषय विशेषज्ञ
4. प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रोफेसर : सदस्य
5. डॉ. एच. ए. हुनगुंद, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
6. डॉ. अनिल कुमार दुबे, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
7. डॉ. धनजी प्रसाद, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
8. डॉ. शेख अंसारपाशा अब्दुलरज्जाक, औरंगाबाद : पूर्व छात्र प्रतिनिधि

➢ प्रो. वृषभ प्रसाद जैन, प्रोफेसर अवकाश पर होने के कारण बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

<u>बैठक में लिए गए मदवार निर्णय निम्नानुसार हैं-</u>

मद संख्या : 1

❖ पी-एच.डी शोधार्थी वित्योलेन्यो लिडिया जुँविच (सत्र 2016-17) के सह-शोध निर्देशक का निर्धारण।

निर्णय : प्रो. डी. कुली (Prof. D. Kuolie), अध्यक्ष, भाषाविज्ञान विभाग, नागालैंड विश्वविद्यालय को **सह-शोध निर्देशक (Co- Supervisor) नियुक्त** किया गया तथा यह सुझाव दिया गया कि प्रो. डी. कुली का जीवनवृत्त (Bio-data) मंगा लिया जाए।

मद संख्या : 2

❖ पी-एच.डी शोधार्थी सचिन हाड़के (सत्र 2016-17) के शोध-विषय एवं शोध-निर्देशक का निर्धारण। <u>*शोधार्थी द्वारा प्रस्तावित विषय 'हिंदी शब्द विश्लेषक' (व्युत्पादक प्रत्ययों के विशेष संदर्भ में)।*</u>

निर्णय : पी-एच.डी शोधार्थी सचिन हाड़के (सत्र 2016-17) द्वारा प्रस्तावित विषय पर बहुत सारे कार्य हो चुके हैं। इसे देखते हुए अध्ययन मंडल द्वारा श्री सचिन हाडके की शैक्षिक योग्यता (M.Com) को ध्यान में रखते हुए उनका शोध विषय ***'कार्पोरेट जगत में प्रयुक्त वाणिज्यिक हिंदी की स्थिति : एक विश्लेषण'*** प्रस्तावित किया। इस संबंध में यह भी निणर्य लिया गया कि 01 माह के अंदर प्रस्तावित विषय पर शोधार्थी शोध प्रस्ताव विभाग में प्रस्तुत करे। किन्हीं कारणों से यदि शोधार्थी उक्त विषय पर कार्य नहीं करना चाहता है तो अध्ययन मंडल की आगामी बैठक में प्रस्तावित विषय का शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करे।

मद संख्या : 3

❖ विभाग द्वारा संचालित निम्नांकित पाठ्यक्रम के संशोधित रूप विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ-

1. बी.ए. भाषाविज्ञान (सामान्य)
2. बी.ए. भाषाविज्ञान (आनर्स)
3. एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी
4. एम.फिल. भाषा प्रौद्योगिकी
5. भाषा शिक्षण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
6. भाषाविज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
7. भाषा प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

निर्णय : सभी पाठ्यक्रम आवश्यक परिवर्धन के साथ अनुमोदित किया गया।

अध्ययन मंडल के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय द्वारा अध्ययन मंडल के सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

(डॉ. शेख अंसार पाशा)	(डॉ. धनजी प्रसाद) 15-9-17	(डॉ. अनिल कुमार दुबे)
पूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि	**सदस्य**	**सदस्य**
15/09/2017 (डॉ. एच. ए. हुनगुंद)	(प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल)	(डॉ. राम भावसार)
सदस्य	**सदस्य**	**बाह्य विषय विशेषज्ञ**
(प्रो. के.एल. वर्मा)	(प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय)	
बाह्य विषय विशेषज्ञ	**अध्यक्ष**	

मद संख्या : 4

- ❖ विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में संशोधन/परिवर्धन एवं दो अन्य पाठ्यक्रम – 1. **भाषाविज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** तथा **2. भाषा प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा** का निर्माण।

निर्णय : पाठ्यक्रमों में आवश्यक संशोधन/परिवर्धन किया गया तथा विभागीय समिति द्वारा तैयार दो अन्य पाठ्यक्रम – 1. भाषाविज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा 2. भाषा प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा का अनुमोदन किया गया।

मद संख्या : 5

- ❖ पी-एच.डी. शोधार्थी सुश्री प्रतिभा सिंह का पी-एच.डी. पंजीकरण निरस्त किए जाने पर विचार।

निर्णय : सुश्री प्रतिभा सिंह का पी-एच.डी पंजीकरण उनके अनुरोध पर निरस्त करने का निर्णय लिया गया।

अध्ययन मंडल के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय द्वारा अध्ययन मंडल के सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

(डॉ. शेख अंसार पाशा)	(डॉ. धनजी प्रसाद)	(डॉ. अनिल कुमार दुबे)
पूर्व विद्यार्थी प्रतिनिधि	**सदस्य**	**सदस्य**
21/03/2017	17/03/17	
(डॉ. एच. ए. हुनगुंद)	(प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल)	(प्रो. उमाशंकर उपाध्याय)
सदस्य	**सदस्य**	**विशेष आमंत्रित सदस्य**
	21/03/17	
(डॉ. राम भावसार)	(डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय)	
बाह्य विषय विशेषज्ञ	**अध्यक्ष**	

मद संख्या : 2

❖ एम.फिल. भाषा प्रौद्योगिकी में पंजीकृत (सत्र 2016-17) शोधार्थियों के शोध-विषय एवं शोध निर्देशक का निर्धारण।

निर्णय : निम्नानुसार एम.फिल. शोधार्थियों के शोध-विषय एवं शोध-निर्देशक का निर्धारण किया गया

क्र.	शोधार्थी का नाम	प्रस्तावित शोध विषय	शोध-निर्देशक
1.	रामलखन कुमार	मैथिली लोकगीतों का समाजभाषावैज्ञानिक अध्ययन (विशेष संदर्भ : ऋतु एवं पर्वत गीत)	डॉ. धनजी प्रसाद
2.	नागेन्द्र कुमार गौतम	हिंदी और भोजपुरी की सरल क्रियाओं का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय
3.	ममता यादव	संस्कृत-हिंदी के क्रियापदों का व्यतिरेकी विश्लेषण (काल, वाच्य के संदर्भ में)	डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय
4.	सत्येन्द्र कुमार	भारतीय सांकेतिक भाषा कोश का निर्माण (एंड्राइड आधारित)	डॉ. धनजी प्रसाद
5.	कामेश्वर सिंह	हिंदी मिश्र क्रियाओं का अंग्रेजी एकल क्रिया आधारित अभिज्ञानक	डॉ. धनजी प्रसाद
6.	रश्मि मिश्रा	कोड मिश्रण का सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य (निर्मल वर्मा के कुछ कहानियों के विशेष संदर्भ में)	डॉ. अनिल कुमार दुबे
7.	कुमार रितेश रंजन	कोड परिवर्तन का सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य (विशेष संदर्भ – हिंदी के कुछ उपन्यासों में)	डॉ. अनिल कुमार दुबे
8.	मिथिलेश कुमार यादव	हिंदी-अवधी काल, पक्ष, वृत्ति : व्यतिरेकी विश्लेषण	डॉ. धनजी प्रसाद
9.	शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय	जनहित में जारी विज्ञापनों की भाषा	डॉ. एच.ए. हुनगुंद
10.	तेजप्रताप टंडन	डॉ. कुंवर बेचैन की ग़ज़लों का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन (विशेष संदर्भ : महावर इंतजारों का)	डॉ. एच.ए. हुनगुंद
11.	उज्ज्वल सिंह	जेवर तहसील की भाषा का विश्लेषणात्मक अध्ययन	डॉ. एच.ए. हुनगुंद
12.	पंचदेव प्रसाद	'सृष्टि चक्र' और शैली तत्व (प्रसन्न कुमार चौधरी की लंबी कविता के विशेष संदर्भ में।)	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ला

मद संख्या : 3

❖ विभाग द्वारा संचालित पूर्व के पाठ्यक्रमों एम.ए. **भाषा अध्ययन, एम.फिल. भाषा अध्ययन, पी-एच.डी. भाषा अध्ययन** के स्थान पर **एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी, एम.फिल. भाषा प्रौद्योगिकी, पी-एच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी** किए जाने पर विचार।

निर्णय : अनुमोदित

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

अध्ययन मंडल (BOS) की बैठक

कार्यवृत्त

दिनांक : 21 मार्च 2017

आज दिनांक 21 मार्च 2017 को पूर्वाह्न 11:30 बजे विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की [redacted] बैठक डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, भाषाविज्ञान एंव भाषा प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए -

1. डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, एसोसिएट प्रोफेसर : अध्यक्ष
2. डॉ. रामभावसार, जलगाँव : बाह्य विषय विशेषज्ञ
3. प्रो. उमाशंकर उपाध्याय, प्रोफेसर : विशेष आमंत्रित सदस्य
4. प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रोफेसर : सदस्य
5. डॉ. एच. ए. हुनगुंद, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
6. डॉ. अनिल कुमार दुबे, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
7. डॉ. धनजी प्रसाद, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
8. डॉ. शेख अंसारपाशा अब्दुलरज्जाक, औरंगाबाद : पूर्व छात्र प्रतिनिधि

बाह्य विषय विशेषज्ञ प्रो. के. एल. वर्मा, रायपुर अपने व्यक्तिगत कारणों से बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

बैठक में लिए गए मदवार निर्णय निम्नानुसार हैं-

मद संख्या : 1

❖ पी-एच.डी. भाषा प्रौद्योगिकी में पंजीकृत (सत्र 2016-17) शोधार्थियों के शोध-विषय एवं शोध निर्देशक का निर्धारण।

निर्णय : निम्नानुसार पी-एच.डी. शोधार्थियों के शोध-विषय एवं शोध-निर्देशक का निर्धारण किया गया

क्र.	शोधार्थी का नाम	प्रस्तावित शोध विषय	शोध-निर्देशक
1.	दीप्ति एक्का	कुँडुख का शब्दवैज्ञानिक अध्ययन (छोटा नागपुर के विशेष संदर्भ में)	डॉ. एच.ए. हुनगुंद
2.	स्वर्ण लता सिन्हा	हिंदी में व्युत्पादक प्रत्यय योजकता और प्रतिबंध	डॉ. धनजी प्रसाद
3.	रेनू सिंह	'रागदरबारी' उपन्यास का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन	डॉ. एच.ए. हुनगुंद
4.	अर्चना सिंह	''हरिशंकर परसाई की व्यंग्य कथाओं का शैली वैज्ञानिक अध्ययन''	डॉ. अनिल कुमार दुबे
5.	आलोक कुमार मिश्र	हिंदी विशेषण-संज्ञा समूहक	डॉ. धनजी प्रसाद
6.	पंकज कुमार मिश्र	हिंदी के आश्रित उपवाक्यों का प्रकार्यात्मक अध्ययन'	डॉ. धनजी प्रसाद
7.	जयप्रकाश गुप्ता	'मानक हिंदी में भोजपुरी का कोड मिश्रण : भोजपुरी भाषियों के विशेष संदर्भ में''	डॉ. धनजी प्रसाद
8.	वित्योलेन्योलिडिया जुविच	हिंदी तथा तिन्यिदिए भाषा की रूपसाधक रूप प्रक्रिया : एक व्यतिरेकी अध्ययन	डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

भाषा अध्ययन विभाग, भाषा विद्यापीठ

दिनांक : 16-17 जून, 2015

अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के भाषा-विद्यापीठ में भाषा अध्ययन विभाग के अध्ययन मंडल की बैठक अध्यक्ष, भाषा अध्ययन विभाग की अध्यक्षता में दिनांक 16-17 जून, 2015 को पूर्वाह्न 10:30 बजे से आयोजित की गयी। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए -

1. प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल : अध्यक्ष
2. डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय : सदस्य
3. डॉ. एच. ए. हुनगुंद : सदस्य
4. डॉ. अनिल कुमार दुबे : सदस्य
5. डॉ. धनजी प्रसाद : सदस्य
6. प्रो. अंबा कुलकर्णी , हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद : सदस्य
7. डॉ. शेख अंसार पाशा, स्वामी रामानंद तीर्थ महाविद्यालय, बीड, (महाराष्ट्र) : सदस्य (पूर्व छात्र)

प्रो. सोनल जोशी (पुणे) उपस्थित नहीं हो सकीं। प्रो. उमाशंकर उपाध्याय विशेष आमंत्रित के रूप में बैठक में उपस्थित हुए।

बैठक का कार्य विवरण इस प्रकार है -

1. भाषा अध्ययन विभाग के एम.ए., एम.फिल. एवं पी-एच.डी. के पाठ्यक्रमों को सी.बी.सी.एस. के अनुरूप तैयार किया गया।
2. भाषा अध्ययन विभाग के एम.फिल. के शोधार्थियों के शोध-विषय, शोध-निर्देशक एवं शोध-प्रारूप का अनुमोदन किया गया।
3. भाषा अध्ययन विभाग के पी-एच.डी. के शोधार्थियों के शोध-विषय, शोध-निर्देशक एवं शोध-प्रारूप का अनुमोदन किया गया और पंजीयन हेतु संस्तुति की गई।
4. भाषा अध्ययन विभाग का नाम बदलकर पूर्ववत 'भाषा प्रौद्योगिकी विभाग' करने पर पुनर्विचार किया जाए। साथ ही एम.ए., एम.फिल., पी-एच.डी. पाठ्यक्रमों को हिंदी (भाषा प्रौद्योगिकी) नाम से संचालित किया जाए।

Sheikh 17/6/15 — (डॉ. शेख अंसार पाशा) | 17-6-15 — (डॉ. धनजी प्रसाद) | अनिल दुबे — (डॉ. अनिल कुमार दुबे) | HA 17/06/2015 — (डॉ. एच. ए. हुनगुंद)

17/6/15 — (डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय) | Ambe P 17/6/15 — (प्रो. अंबा कुलकर्णी) | (प्रो. उमाशंकर उपाध्याय) | 17/06/15 — (प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

भाषा प्रौद्योगिकी विभाग, भाषा विद्यापीठ के अध्ययन मंडल की बैठक की कार्यवृत्त

दिनांक : 11 मार्च, 2016

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के भाषा-विद्यापीठ में भाषा प्रौद्योगिकी विभाग की अध्ययन मंडल की बैठक अध्यक्ष, भाषा प्रौद्योगिकी विभाग की अध्यक्षता में दिनांक 11 मार्च 2016 को पूर्वाह्न 11:00 बजे आयोजित की गयी। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए -

- ✲ डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, भाषा प्रौद्योगिकी विभाग : अध्यक्ष
- ✲ प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रोफेसर : सदस्य
- ✲ प्रो. उमाशंकर उपाध्याय, प्रोफेसर : विशेष आमंत्रित सदस्य
- ✲ डॉ. एच. ए. हुनगुंद, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
- ✲ डॉ. अनिल कुमार दुबे, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
- ✲ डॉ. धनजी प्रसाद, सहायक प्रोफेसर : सदस्य
- ✲ प्रो. के. एल. वर्मा , रायपुर : सदस्य
- ✲ डॉ. रामभावसार, जलगाँव : सदस्य
- ✲ डॉ. शेख अंसारपाशा अब्दुलरज्जाक, औरंगाबाद : सदस्य

✲ प्रो. के. एल. वर्मा , रायपुर उपस्थित नहीं हो सके।

बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

मद सं. 1. अनुमोदन प्रदान किया गया।

मद सं. 2. अनुमोदन प्रदान किया गया।

मद सं. 3. अनुमोदन प्रदान किया गया।

मद सं. 4. एम.ए. भाषा प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम विभाग द्वारा तैयार कर सभी आंतरिक एवं बाह्य विशेषज्ञों से परामर्श लेकर अंतिम रूप दिया जाए।

मद सं. 5. प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के हिंदी के अध्यापकों एवं सरकारी कर्मचारियों की हिंदी में दक्षता हेतु हिंदी दक्षता **प्रमाणपत्र** का प्रथम चरण अगले सत्र से वर्ष में दो बार किए जाने तथा द्वितीय चरण तथा तृतीय चरण का कार्यक्रम इसके बाद आरंभ करने पर विचार। प्रथम चरण को हिंदी दक्षता प्रमाणपत्र **'I'** द्वितीय चरण को हिंदी दक्षता प्रमाणपत्र **'II'** एवं तृतीय चरण को हिंदी दक्षता प्रमाणपत्र **'III'** नामकरण से अभिहित किये जाने पर विचार कर अनुमोदित किया।

मद सं. 6. अनुमोदन प्रदान किया गया।

मद सं. 7. अनुमोदन प्रदान किया गया।

मद सं. 8. पी-एच.डी. शोधार्थी श्री संगीत रत्नायके के शोध-निर्देशक की टिप्पणी एवं शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर विचार के लिए अध्ययन मंडल ने कुलपति महोदय को अधिकृत किया। चूँकि विश्वविद्यालय के पीएच.डी. अध्यादेश क्रमांक 45 के अनुच्छेद 20.1 के अनुसार दो वर्ष से अधिक समय होने के कारण माननीय कुलपति महोदय को अधिकृत किया गया।

Shaikh	(अवकाश पर)	अनिल दुबे	H G
(डॉ. शेख अंसार पाशा)	(डॉ. धनजी प्रसाद)	(डॉ. अनिल कुमार दुबे)	(डॉ. एच. ए. हुनगुंद)
(प्रो. उमाशंकर उपाध्याय)	(प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल)	(डॉ. राम भावसार)	(डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय)

पोस्ट -हिंदी विश्वविद्यालय,गांधी हिल्स,वर्धा- 442001 (महाराष्ट्र) भारत
Post : Hindi Vishwavidyalaya, Gandhi Hills, Wardha - 442 005 (Maharashtra), INDIA
वेबसाइट/Website : www.hindivishwa.org